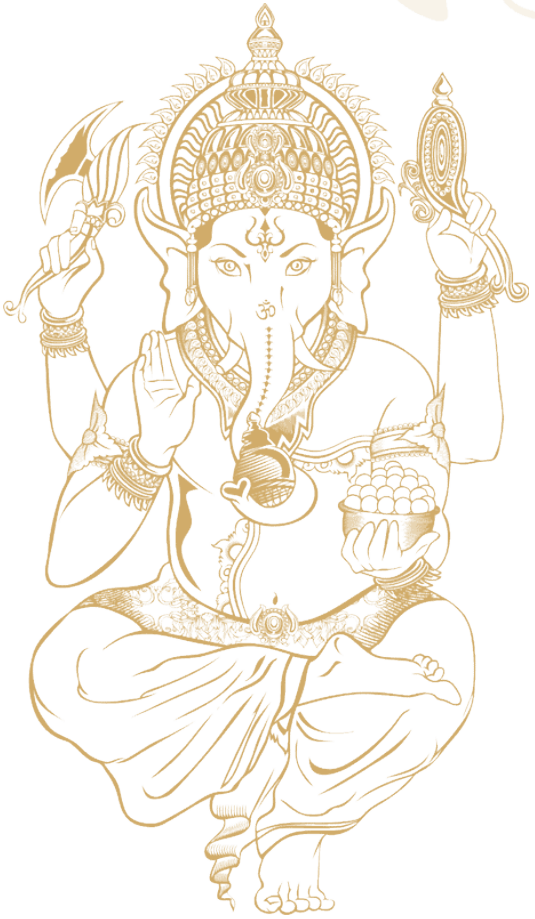

Babau Kumar

17 Oct 2022

06:30 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121041003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/2022**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	31:42:18 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:40:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:37 घंटे
साम्पातिक काल	20:24:04 घंटे
सूर्योदय	05:49:04 घंटे
सूर्यास्त	17:21:30 घंटे
दिनमान	11:32:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:57:50 कन्या
लग्न के अंश	22:18:28 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:18:28	421:36:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	29:57:50	00:59:32	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मिथु	28:02:19	11:51:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	00:16:28	00:10:28	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			कन्या	15:18:27	01:36:10	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मीन	06:53:54	00:06:44	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र		अ	कन्या	28:35:01	01:15:05	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि	व		मक	24:26:36	00:00:34	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			मेष	19:23:23	00:00:16	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	19:23:23	00:00:16	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		मेष	23:38:52	00:02:13	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप	व		कुंभ	29:03:40	00:01:22	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			मक	01:57:45	00:00:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			मक	09:31:38	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:19

लग्न-चलित

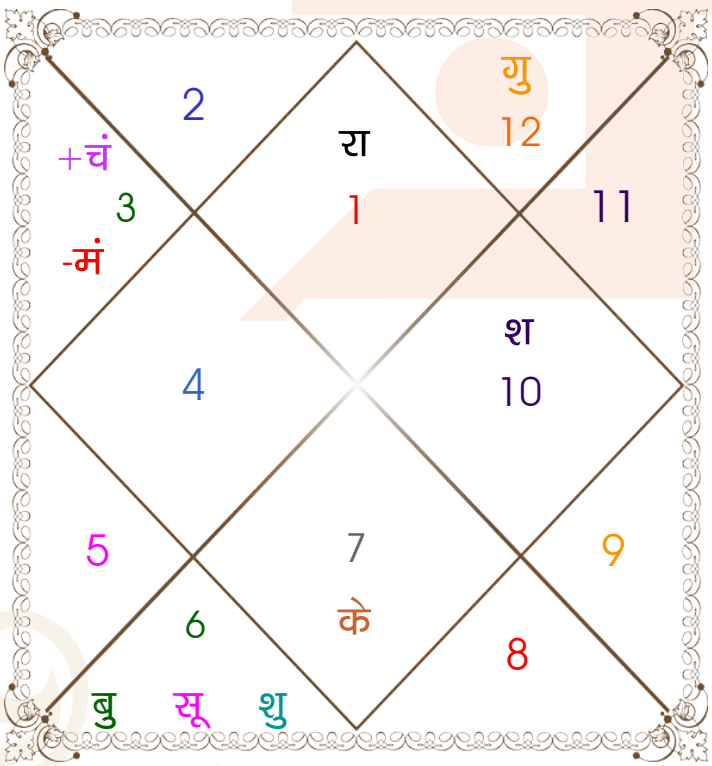

चन्द्र कुंडली

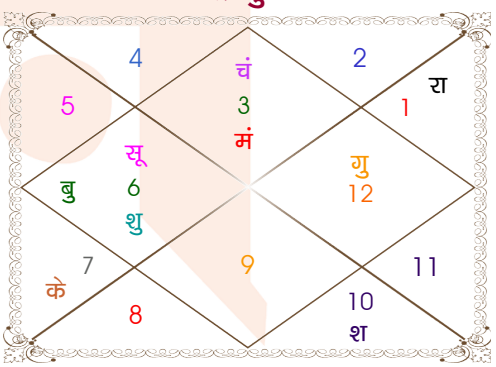

नवमांश कुंडली

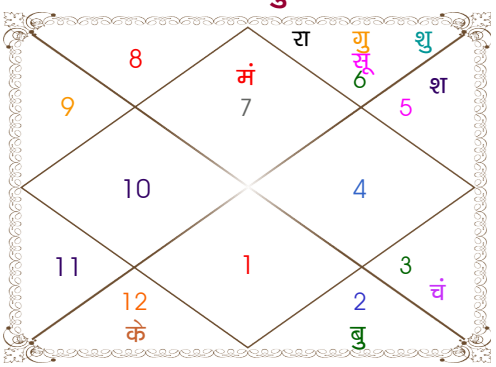

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 4 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/10/2022		23/02/2029		24/02/2048		23/02/2065		24/02/2072	
23/02/2029		24/02/2048		23/02/2065		24/02/2072		24/02/2092	
	00/00/0000	शनि	27/02/2032	बुध	22/07/2050	केतु	22/07/2065	शुक्र	25/06/2075
	00/00/0000	बुध	06/11/2034	केतु	20/07/2051	शुक्र	21/09/2066	सूर्य	24/06/2076
	00/00/0000	केतु	16/12/2035	शुक्र	19/05/2054	सूर्य	27/01/2067	चंद्र	23/02/2078
	17/10/2022	शुक्र	14/02/2039	सूर्य	26/03/2055	चंद्र	28/08/2067	मंगल	25/04/2079
शुक्र	06/09/2023	सूर्य	27/01/2040	चंद्र	24/08/2056	मंगल	24/01/2068	राहु	25/04/2082
सूर्य	24/06/2024	चंद्र	28/08/2041	मंगल	22/08/2057	राहु	11/02/2069	गुरु	24/12/2084
चंद्र	24/10/2025	मंगल	06/10/2042	राहु	10/03/2060	गुरु	18/01/2070	शनि	24/02/2088
मंगल	30/09/2026	राहु	12/08/2045	गुरु	16/06/2062	शनि	26/02/2071	बुध	25/12/2090
राहु	23/02/2029	गुरु	24/02/2048	शनि	23/02/2065	बुध	24/02/2072	केतु	24/02/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/02/2092		23/02/2098		25/02/2108		24/02/2115		24/02/2133	
23/02/2098		25/02/2108		24/02/2115		24/02/2133		00/00/0000	
सूर्य	12/06/2092	चंद्र	25/12/2098	मंगल	23/07/2108	राहु	07/11/2117	गुरु	14/04/2135
चंद्र	12/12/2092	मंगल	26/07/2099	राहु	10/08/2109	गुरु	01/04/2120	शनि	25/10/2137
मंगल	19/04/2093	राहु	25/01/2101	गुरु	17/07/2110	शनि	06/02/2123	बुध	31/01/2140
राहु	13/03/2094	गुरु	27/05/2102	शनि	26/08/2111	बुध	26/08/2125	केतु	06/01/2141
गुरु	31/12/2094	शनि	26/12/2103	बुध	22/08/2112	केतु	13/09/2126	शुक्र	18/10/2142
शनि	13/12/2095	बुध	26/05/2105	केतु	18/01/2113	शुक्र	13/09/2129		00/00/0000
बुध	18/10/2096	केतु	25/12/2105	शुक्र	21/03/2114	सूर्य	08/08/2130		00/00/0000
केतु	23/02/2097	शुक्र	26/08/2107	सूर्य	26/07/2114	चंद्र	06/02/2132		00/00/0000
शुक्र	23/02/2098	सूर्य	25/02/2108	चंद्र	24/02/2115	मंगल	24/02/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।